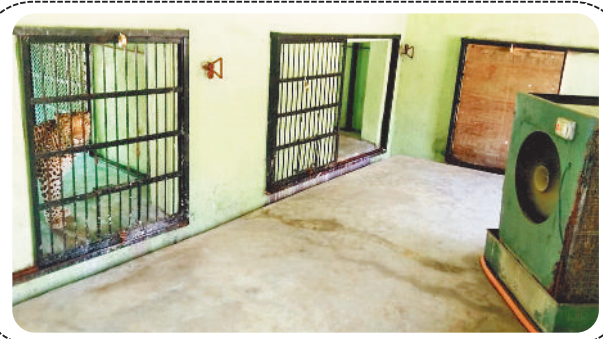


हरिभूमि लाइव

बिलासपुर, बुधवार 9 अप्रैल 2025

Email id- haribhoomibsp@gmail.com

Whats App - 6263190692, 8305922255



आयोजन

विश्व नवकार महामंत्र जाप दिवस आज

बिलासपुर। देश व विदेश में जीटों चैप्टर्स द्वारा बुधवार 9 अप्रैल को विश्व नवकार महामंत्र जाप दिवस मनाया जा रहा है। जिसका आयोजन दिगंबर समाज द्वारा क्रांति नगर व सरकंडा स्थित मंदिर में, तैरापथ समाज व श्वेतांबर समाज द्वारा लिंक रोड और गुजराती समाज द्वारा टिकरापारा में किया जाएगा। जैन श्वेतांबर समाज के सदस्य मुकेश जैन द्वारा लिंक रोड में जाप का आयोजन किया जा रहा है।

JITO
PRESENTS



APRIL, 2025 | WEDNESDAY

दिगंबर, तैरापथ, गुजराती,
श्वेतांबर जैन समाज के सदस्य
करेंगे महामंत्र का जाप

जिसमें श्री जैन श्वेतांबर, श्री संघ एवं तैरापथ समाज के सदस्य एक साथ मिलकर जाप में भाग लेंगे। जैन सभा अध्यक्ष दीपक जैन ने बताया कि पूरे विश्व में नवकार महामंत्र का जाप 9 अप्रैल को किया जा रहा है, जिसमें सर्व समाज हिस्सा ले रहा है। बिलासपुर समाज भी इसमें तत्परता के साथ हिस्सा लेने जा रहा है, जिसमें सरकंडा जैन मंदिर में सामूहिक जाप किया जाएगा। गुजराती जैन समाज टिकरापारा द्वारा नवकार दिवस के रूप में मनाया जाएगा। जिसमें गुजराती जैन समाज के सभी धर्माप्रेम श्रावक श्राविका मिलकर नवकार मंत्र का सामूहिक जाप सुबह 8 बजे से 9:30 बजे तक निरंतर करेंगे। उसके पश्चात चार लोगस्य का कावसक फिर मांगलिक पाठ किया जाएगा। यह नवकार मंत्र का जाप पूरे विश्व के 120 देश में एक साथ किया जाने वाला है। गुजराती जैन समाज में महान तपस्या आर्यबिल ओली की जा रही है, जिसमें समाज के श्रावक श्राविका तप-तपस्या करके धर्म लाभ ले रहे हैं। यह महान कार्य गुजराती, जैन समाज के प्राण महिला मंडल द्वारा कराया जा रहा है। इस आर्यबिल ओली तप में 24 घंटे में एक ही बार खाना खाते हैं और इस खाने में सभी वस्तुएं उबली हुई एवं बिना तेल मसाले की बनी हुई रहती है।

भीषण गर्मी में कानन जू के वन्यप्राणी हो रहे कूल-कूल

मांसाहारी केज में कूलर और शाकाहारी केज में स्प्रिंकलर से पानी का छिड़काव

भीषण गर्मी में कानन पेण्डरी जू के अंदर वन्यप्राणियों के जतन की पूरी कोशिश की जा रही है। इसके तहत मांसाहारी वन्यप्राणियों के केज में कूलर और शाकाहारी वन्यप्राणियों के केज में स्प्रिंकलर से पानी का छिड़काव करने के साथ ग्रीन नेट भी लगाए गए हैं, ताकि गर्मी में वन्यप्राणियों को राहत मिल सके।



हरिभूमि न्यूज || बिलासपुर

अप्रैल के पहले सप्ताह से भीषण गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। दोपहर की तेज धूप और भीषण गर्मी के कारण लोग अपने घरों से निकलना नहीं चाह रहे हैं। गर्मी में कानन पेण्डरी पर्यटन केन्द्र के अंदर रहने वाले वन्यप्राणियों को भी काफी परेशानी होती है। भीषण गर्मी से बचाव करने के लिए कानन प्रबंधन ने सभी वन्यप्राणियों के लिए अलग-अलग व्यवस्था की है। इसमें मांसाहारी वन्यप्राणी यानि लयान, टाइगर व

अन्य के लिए बनाए गए केज में कूलर, पंखे और खस लगाए गए हैं, जिसमें पानी लगातार भरा जाता है। इसके अलावा पक्षियों के केज में खस लगाया गया है, जिसमें प्रतिदिन तीन से चार बार पानी का छिड़काव होता है। सबसे अधिक पानी मांसाहारी वन्यप्राणियों के केज में उपयोग हो रहा है। टाइगर और तेंदुआ के केज में पाइप से चार से पांच बार पानी डाला जाता है। वहीं चीतल, नील गाय सहित अन्य शाकाहारी वन्यप्राणियों के केज में स्प्रिंकलर लगाए गए हैं, जिसमें लगातार पानी का छिड़काव किया जा रहा है।



यह भी की गई व्यवस्था

- ◆ इक्वलीजर के ऊपर 70 से 90 फीसदी छाया वाले ग्रीन नेट लगाए गए हैं।
- ◆ पक्षियों के केज में ग्रीन नेट के साथ खस घास की चटाई लगाकर प्रेशर पंप से पानी का छिड़काव किया जा रहा है।
- ◆ सांप के केज में गेहूं की बुआई कर जवारा तैयार किया गया है।
- ◆ रेस्क्यू केन्द्र में वन्यप्राणियों के शावकों के लिए कूलर लगाए गए हैं।
- ◆ जू के वन्यप्राणियों को ठंडक पहुंचाने के लिए ग्रीन शेड व खस की पूरी व्यवस्था की गई है।

धूप से बचने पेड़ का सहारा

भीषण गर्मी का असर वन्यप्राणियों पर भी हो रहा है। वन्यप्राणी गर्मी और दोपहर की तेज धूप से बचने के लिए पेड़ का सहारा लेने लगे हैं। घास मैदान में विचरण करने वाले वन्यप्राणी सांभर केज के बाहर पेड़ों के नीचे दिनभर बैठे रहते हैं। मालू के बाड़े में पतेंदार पेड़ अधिक हैं। वह धूप तेज होते ही पेड़ पर चढ़ जाते हैं। अन्य वन्यप्राणी भी पेड़ की छांव में आराम करते हुए दिखाई देते हैं।

श्रद्धांजलि

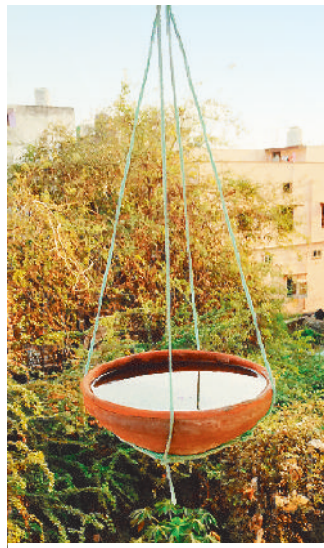
महिला सशक्तिकरण के लिए जीवन किया समर्पित



बिलासपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी का मंगलवार को दोपहर में परलोकगमन हो गया। दादीजी 101 वर्ष की थीं। ब्रह्माकुमारी बिलासपुर की मुख्य शाखा राजयोग भवन सेवा केंद्र की संचालिका बीके स्वाति दादी ने बिलासपुर ब्रह्माकुमारी परिवार के सभी भाई-बहनों की ओर से दादीजी को श्रद्धा सुमन अर्पित किया। 10 अप्रैल को दादीजी के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया जाएगा। स्वाति

दादी ने बताया कि नारी शक्ति के सबसे बड़े संगठन ब्रह्माकुमारी की मुखिया राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी स्थापना से लेकर आज वटवृक्ष बनने की साक्षी रहीं हैं। दादीजी का जन्म 25 मार्च 1925 को सिंधु हैदराबाद में हुआ था। 1937 में मात्र 13 वर्ष की आयु में ही ब्रह्माकुमारी से जुड़ीं और पूरा जीवन समाज कल्याण में समर्पित कर दिया। राजयोग मंडिशन उनकी दिनचर्या में शामिल रहा। बचपन से आध्यात्म के प्रति लयान और परमात्मा को पाने की चाह में उन्होंने विश्व शांति और नारी सशक्तिकरण की युद्ध में खुद को झोंक दिया। ब्रह्माकुमारी की स्थापना से लेकर आज तक 87 वर्ष की यात्रा की वे साक्षी रही हैं। दादीजी के नेतृत्व में 50 हजार ब्रह्माकुमारी पाठशाला संचालित है।

बिलासपुर ब्रह्माकुमारी परिवार की ओर से श्रद्धा सुमन अर्पित



गर्मी से परिदों को बचाने घर की छतों पेड़ों में पक्षी प्रेमी लगा रहे घोंसला



दाना-पानी की तलाश में पहुंच रहीं गौरैया और बुलबुल

बिलासपुर। झुलसती गर्मी में पक्षियों की जान बचाने के लिए पशु-पक्षी प्रेमियों ने घर, ऑफिस और सड़कों पर दाना-पानी की व्यवस्था शुरू कर दी है। बाजारों में बिक रहे कृत्रिम घोंसले अब पक्षियों को तेज धूप से बचाने का काम कर रहे हैं, जिन्हें लोग घर की बालकनी, आंगन और छतों पर लगा रहे हैं।

बढ़ती गर्मी के मद्देनजर पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए लोग घर की छतों पर दाना और पानी की व्यवस्था कर रहे हैं। नेहरूनगर निवासी अरुण सोनी ने बताया कि घर की छत पर मिट्टी के बर्तन में पानी और दाना रखा है, साथ ही गर्मी से बचने के लिए एक छोटा छत भी तैयार की गई है। बीला साव ने बताया, गर्मी की समस्या

को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है। पशु पक्षियों की देखरेख करना हमारी जिम्मेदारी है और उनका बचाव करना बहुत जरूरी है। वहीं कुष्माणगर निवासी देवेंद्र कुमार साहू ने भी घर पर पक्षियों के लिए घोंसला और पानी के लिए मटकी रखी है। उन्होंने बताया, प्रत्येक वर्ष हम पशु-पक्षियों के लिए ठहरने और दाना-पानी की व्यवस्था करते हैं।

बाजार में 400 तक मिल रहे हैं घोंसले

इस बार बाजार में लकड़ी के बड़े हाउस और छोटे और बड़े पक्षियों के लिए विभिन्न आकार के घोंसले उपलब्ध हैं। इनमें खासतौर पर छोटे आकार के घोंसलों की अधिक मांग देखी जा रही है। दुकान संचालक राकेश गुप्ता के अनुसार इन घोंसलों को प्रदेश के बालीग क्षेत्रों से मंगवाया जाता है, जिनकी कीमत 200 से 400 रुपये तक है। इसका निर्माण लकड़ी, बांस और घास की मदद से किया जाता है।

दिनभर पक्षियों की चहचहाहट

कृत्रिम घोंसला रखने से घरों में सुबह व दोपहर के वक्त पक्षियों की चहचहाहट की आवाज सुनाई दे रही है। ज्यादातर लोगों ने एक पेड़ में 5 से अधिक घोंसले लटका दिए हैं। जिसमें हर तीसरे दिन दाना-पानी रखते। कई पक्षियों ने अपना स्थायी आश्रान भी बना लिया है। कृत्रिम घोंसलों में विलुप्त हो रही गौरैया के अलावा मैना, तोता व बुलबुल समेत अन्य पक्षी पहुंच रहे हैं।

धर्म-क्षेत्र

राम के जीवन चरित्र पर आधारित भजन ने मोहा मन



बिलासपुर। आर्य समाज वसुंधरा विहार बहतराई रोड में मनाया गया मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में यज्ञ, हवन किया गया। बहन संध्या शर्मा और बालक सार्थक चावला ने भगवान श्रीरामचंद्र के जीवन चरित्र पर आधारित भजन पेश कर सभी का मन मोह लिया। आर्य समाज के उपाध्यक्ष डॉ प्रेमचंद्र गुप्ता ने बताया कि चित्र की अपेक्षा चरित्र की पूजा करेंगे तभी राम राज्य का सपना साकार हो सकता है। आचार्य जयदेव शास्त्री ने श्रीराम के जीवन

चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भगवान राम मर्यादाओं में जीते थे। उन्होंने अपने जीवन में कभी कोई मर्यादा का उल्लंघन नहीं किया। मर्यादा संविधान अर्थात् वेद है। वेद हमारे सृष्टि का संविधान है। वेद में सब सत्य विद्या है। गृहस्थ जीवन, राज धर्म, पति धर्म, पुत्र धर्म, पिता धर्म सभी कर्तव्यों का बोध वेद से होता है। भगवान राम ने वेदों को पढ़ा था और वेदों के अनुसार ही संपूर्ण जीवन मर्यादा जिता था। वे यदि मर्यादाओं का पालन नहीं करते, मर्यादा नहीं होते तो आज उनकी पूजा नहीं होती। रामायण भगवान श्रीराम का जीवन चरित्र है। राम का जीवन मनुष्य के जीवन में सत्य, त्याग, मर्यादा धर्म का पालन, परोपकारमय जीवन जीना सिखाता है। यदि हम इन गुणों को अपने जीवन में धारण करते हैं तो राम तो नहीं लेकिन राम के कुछ अंश अपने जीवन में आ सकते हैं।

कामदा एकादशी पर भगवान श्याम का फूलों से श्रृंगार

बाजे-गाजे के साथ निकाली गई निशान यात्रा, भक्तों ने अर्पित किए 151 निशान

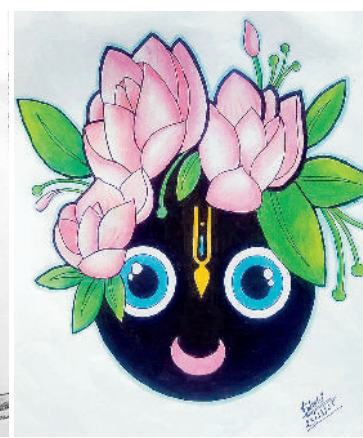


कामदा एकादशी पर घोड़ाबाबा मंदिर परिसर स्थित श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को भगवान श्याम का 71 किलो फूलों से विशेष श्रृंगार कर पूजा की गई। रात मंदिर तिलकनगर से बाजे-गाजे के साथ एक भव्य निशान यात्रा निकाली गई। मंदिर पहुंच कर भक्तों ने 151 निशान अर्पित किया।

हरिभूमि न्यूज || बिलासपुर

श्याम मंदिर ट्रस्ट के मंगलराय अग्रवाल ने बताया कि निशान यात्रा राम मंदिर तिलक नगर से निकल कर देवकीनंदन चौक, सिम्स चौक, सदर बाजार, गोल बाजार होते हुए मंदिर पहुंच कर समाप्त हुई। मंदिर में श्याम भक्तों ने निशान अर्पित कर मनोकामना पूर्ण करने की

कामना की। वहीं भगवान श्याम का गुलाब, आरकिड व सेबों के फूलों से विशेष श्रृंगार किया गया। श्रृंगार के बाद भक्तों ने भगवान का दर्शन किया। दर्शन का यह क्रम रात तक चलता रहा। शाम को भजन गाए गए। निशान यात्रा में ट्रस्ट के सदस्यों के अलावा श्याम भक्त भारी संख्या में शामिल होकर भगवान श्याम के प्रति अपनी आस्था जताई।



कैनवास पर साक्षी उकेरती हैं जीवंत चित्र

बिलासपुर। पेंटिंग के क्षेत्र में गौतम सुनिता कौशिक की बेटी साक्षी अपनी एक अलग पहचान बना रही हैं। पेंटिंग के माध्यम से वह सकारात्मक तस्वीर सामने लाती हैं। जिसे लोग काफी पसंद भी कर रहे हैं। वह कोई भी पेंटिंग महज 30 से 45 मिनट में बना देती हैं।

सामान्य परिवार से ताल्लुक रखने वाली साक्षी कौशिक नगई भगवान श्रीराम व हनुमान की पेंसिल से स्केच बनाकर लोगों को आकर्षित कर रही हैं। साक्षी बताती हैं कि 5 साल में करीब 500 से भी अधिक पेंटिंग बना चुकी हैं। इसमें भगवान श्रीराम, शंकर, मां दुर्गा, काली मां, गणेश, श्रीकृष्ण सहित अन्य पेंटिंग शामिल हैं। कक्षा 11 वीं की छात्रा साक्षी बताती हैं कि वह पिछले 5 सालों से पेंटिंग के क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं। साक्षी को इस मुकाम तक पहुंचाने में उसकी मम्मी शिक्षिका सुनिता कौशिक की अहम भूमिका है। उन्होंने की देखरेख में साक्षी ने पेंटिंग करना सीखा और आज वह चंद मिनटों में ही किसी भी इंसान की तस्वीर पेंसिल से बना देती हैं। इस पेंटिंग में बच्चों की मुस्कान के जरिए यह दिखाने की कोशिश करती हैं कि जीवन में कितनी भी कठिनाइयों का सामना क्यों न करना पड़े, यदि चेहरे पर मुस्कान है तो सभी चीजें खूबसूरत लगने लगती हैं। पेंसिल वर्क से सभी प्रकार की पेंटिंग बनाने में वह सिद्धहस्त है।



बचपन से है होनाहार

साक्षी बचपन से ही अपने कक्षा में अधिक अंक प्राप्त कर स्कूल का नाम गौरवान्वित किया है। कक्षा दसवीं में 92 प्रतिशत लाकर स्कूल अपने स्कूल व गांव का नाम रोशन किया। बिना कोचिंग के 92 प्रतिशत लाकर साक्षी ने साबित कर दिया कि गांव की बेटी भी मेरिट में जगह बना सकती है।



भगवान विष्णु की पूजा कर रखा गया व्रत

कामदा एकादशी का काफी महत्व होता है, इसलिए कई लोगों ने एकादशी व्रत काफ़ी शुभ योनों में रखा। माना जाता है कि भगवान विष्णु की पूजा करने से कई गुना अधिक फल की प्राप्ति होती है। साल में कुल 24 एकादशियां पड़ती हैं। इसमें हर माह के शुक्ल और कृष्ण पक्ष पर एक-एक एकादशी शामिल रहती है। इसी क्रम में चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को कामदा एकादशी का व्रत रखा गया। कामदा एकादशी पर भगवान विष्णु के साथ वासुदेव की पूजा करने का विधान है। इस दिन भगवान विष्णु की विधिवत पूजा करने से हर तरह के दुख-दर्द से निजात मिलती है। सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। इस साल कामदा एकादशी पर रवि योग व सवार्थ सिद्धि योग रहा।

